आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

RNI No.-RJHIN/2015/63826

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 10 | अंकः 325 | जयपुर, शुक्रवार 05 जून, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

जिले में मातृत्व... पेज 2

वंदे गंगाजल .... पेज 3

ललित मोदी बोले- मैं भगोडा नहीं, दुनिया घूम रहा हूं

सरकार के हाथ बहुत लंबे, उससे पंगा नहीं ले सकते; मेरे खिलाफ कोई केस नहीं

नई दिल्ली। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने कहा कि मेरे लिए भगोडे शब्द का इस्तेमाल मीडिया की तरफ से किया गया। मेरे खिलाफ आज तक कोई केस नहीं है। न्यूज एजेंसी को गुरुवार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मैं बिल्कुल भी नहीं भाग रहा हूं। मैं पूरी दुनिया में घूम रहा हूं। अगर मैं भाग रहा होता, तो आप मुझे कहीं न कहीं पकड़ ही लेते। भारत सरकार की पहुंच बहुत लंबी है। आप भारत सरकार से पंगा नहीं ले सकते। और मेरा ऐसा कोई इरादा भी नहीं है। आईपीएल को लेकर उन्होंने कहा कि मैं इसको लेकर हमेशा से पैशनेट रहा। आखिरकार आईपीएल मेरे बच्चे जैसा है। मैं भले ही उससे जुडा हूं या नहीं, मुझे फर्क नहीं पडता। मेरे पिता अच्छे बिजनेसमैन थे, लेकिन आज मेरे परिवार को ललित मोदी की वजह से जाना जाता है।

बिहार के मुजफ्फरपुर में हॉस्पिटल में आग, 5 की मौत

कुछ मरीजों के गायब होने पर लोगों का हंगामा; पुलिस बोली- दूसरे अस्पताल में हैं

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के ICU में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हादसा बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद IC में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को स्ट्रैचर से बाहर ले जाते दिखे। IC वार्ड 5वीं फ्लोर पर है, जिसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आई। इस हादसे के बाद हॉस्पिटल मालिक डॉक्टर उपेंद्र प्रसाद पर FIR के आदेश दिए गए हैं। दमकलकर्मियों ने ICU और अस्पताल के दूसरे वार्डों में फंसे मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला। मृतकों की पहचान कर ली गई है। इसमें गीता देवी, चंचला वर्मा, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशांक कुमार और कृष्णनंदन सिंह शामिल हैं। वहीं, हादसे के बाद प्रसाद हॉस्पिटल से कई मरीज गायब बताए जा रहे हैं। इसे लेकर मरीज के परिजन हंगामा कर रहे हैं। उनकी मांग है कि मरीजों को वापस लाया जाए। हालांकि, पुलिस और प्रशासन का कहना है कि उनका दूसरे अस्पताल में इलाज चल रहा है। सीएम सम्राट चौधरी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से हादसे पर सवाल किया गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय झा भी थे। दोनों आज दिल्ली के निकल गए। हालांकि एक घंटे बाद निशांत ने हादसे पर दुख जताया।

शिमला में मूसलाधार बारिश, मनाली में धूप

अगले 6 दिन बरसेंगे बादल, 3डिग्री तक गिरेगा तापमान, कल 5 जिलों में भारी ओलावृष्टि-तूफान का अलर्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में दोपहर पौने एक बजे के बाद लगभग डेढ़ घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। इससे शहर की सड़कें पानी के तालाब में तब्दील हो गई। भारी बारिश के बाद टूरिस्ट के भरा रिज पूरी तरह खाली हो गया। शिमला में कुछ ही देर में 32.8 मिलीमीटर बारिश हुई। मंडी के सुंदरनगर में 19 मिमी, सोलन में 6 मिमी और कुफरी में 13 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने शिमला समेत पांच जिले कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला व सिरमौर में आज और कल बारिश के साथ आंधी व तूफान व ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट दे रखा था, जबकि चंबा, कांगड़ा और सोलन में यलो अलर्ट दिया गया है।

मां बोली- नीट दोबारा करा लोगे, क्या बेटी लौटा पाओगे

राहुल बोले- आकांक्षा की मौत मोदी जी की व्यवस्था की देन, बीजेपी ने कहा- लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा

मऊगंज। नीट पेपर लीक होने के बाद नागपुर में आत्महत्या करने वाली मऊगंज की छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी के घर पर मातम पसरा है। बेटी को खो चुकी मां नीलम चतुर्वेदी का दर्द हर शब्द में छलकता है। वह रोते हुए कहती हैं, पेपर तो दोबारा करा लोगे, लेकिन मेरी बेटी को लौटा पाओगे क्या? उनकी आंखों के सामने आज भी आकांक्षा की आखिरी बातें घूमती रहती हैं। इस मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने ङ्क अकाउंट पर एक पोस्ट की है। इसमें केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। राहुल ने लिखा- आकांक्षा डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना चाहती थी। आकांक्षा के पिता किसान हैं। बेटी के डॉक्टर बनने के सपने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर 3 लाख का कर्ज लिया। नागपुर में खुद कुक की नौकरी कर ली, ताकि बेटी वहां कोचिंग कर सके। एक पिता जो कर सकता था, वह सब किया। फिर नीट पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। उस अनिश्चितता में आकांक्षा हमें छोड़ कर चली गई। राहुल ने लिखा- आकांक्षा की मौत आत्महत्या नहीं - मोदी जी की एक भ्रष्ट, टूटी हुई व्यवस्था की देन है। और धर्मेंद्र प्रधान जी आज भी कुर्सी पर हैं। फिर वही कमेटी। वही ट्रांसफर। वही जांच। न सुधार, न न्याय। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा- राहुल गांधी विपक्ष के नेता नहीं, बल्कि प्रोपेगेंडा के नेता हैं। डर और भ्रम फैलाकर राजनीतिक लाभ लेना कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा बन गया है।

6 छात्रों ने दी जान

पिता अस्पताल में भर्ती, परिवार पर 20 लाख का कर्ज

जब परिवार का हाल जानने उनके घर पहुंची तो एक पुराने जर्जर खपरैल के मकान में पूरा परिवार टूट चुका था। मां रो-रोकर बेटी को याद कर रही थी, जबकि पिता अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। परिवार पर करीब 20 लाख रुपए का कर्ज है। मां ने कहा- अब क्या बोलूं और कैसे बोलूंज्मेरी तो पूरी जिंदगी उजड़ गई। इकलौती बेटी पेपर लीक का शिकार हो गई। बेटी अक्सर सपने में आकर कहती है, मां मुझे माफ कर देना। मैं डॉक्टर नहीं बन पाई। आपके और पापा के सपने पूरे नहीं कर पाई।

कांग्रेस बोली- नीट पेपर स्कैम, 6 मौतें और एक दोषी सिस्टम

इंडियन नेशनल कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, नीट पेपर स्कैम, छह मौतें और एक दोषी व्यवस्था। पोस्ट में दावा किया गया है कि नीटपरीक्षा से जुड़े विवाद और तनाव के बीच छह छात्रों की मौत हुई। कांग्रेस ने अपनी पोस्ट में इन छात्रों की तस्वीरें भी साझा की हैं। कांग्रेस ने लिखा- मृत छात्रों में मध्य प्रदेश की आकांक्षा चतुर्वेदी, राजस्थान के प्रदीप मेघवाल, उत्तर प्रदेश के ऋतिक मिश्रा, कर्नाटक की भाग्यश्री, गोवा के सिद्धार्थ हेगड़े और दिल्ली की अंशिका पांडेय शामिल हैं। कांग्रेस ने इन मौतों को लेकर केंद्र सरकार और परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए इसे शिक्षा व्यवस्था की गंभीर विफलता बताया है।

भाजपा बोली- इनका काम झूठ फैलाना, डर पैदा करना

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- भारत को बदनाम करने का यह एजेंडा बंद कीजिए। डर पैदा कर राजनीतिक लाभ लेने की राजनीति बंद कीजिए। और याद रखिए कि **LoP** का मतलब लीडर ऑफ प्रोपेगैंडा नहीं होता। आप विपक्ष के नेता नहीं, बल्कि प्रोपेगेंडा के नेता हैं। झूठ फैलाना, डर पैदा करना और उससे राजनीतिक लाभ लेना आपकी राजनीति का मॉडल है।

पेपर लीक ने उसे पूरी तरह तोड़ दिया था

परिजन के मुताबिक, आकांक्षा मेधावी छात्रा थी। उसे 650 से अधिक अंक मिलने की उम्मीद थी, लेकिन नीट परीक्षा में धांधली और पेपर लीक की खबरों ने उसे मानसिक तनाव में धकेल दिया। परीक्षा दोबारा होने की आशंकाओं के बीच वह पूरी तरह टूट गई थी। बेटी को डॉक्टर बनाने के लिए पिता कृष्ण कुमार चतुर्वेदी ने करीब 15-20 लाख रुपए से ज्यादा का कर्ज ले रखा है। पिता अपनी बेटी का अंतिम संस्कार तक नहीं देख पाए। बेटी की मौत की खबर सुनते ही उनकी तबीयत इतनी बिगड़ गई कि उन्हें नागपुर के अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- कुछ पद सिर्फ कम शिक्षितों के लिए: बड़ी डिग्री छिपाकर ये नौकरी हासिल करना गलत

यह असली हकदार से रोजगार छीनने जैसा

नई दिल्ली। कोर्ट ने 2025 के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि रोजगार उम्मीदवारों को तय नियमों के तहत ही मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कम शैक्षणिक योग्यता के लिए आरक्षित नौकरी के लिए अपनी शिक्षा छुपाना पद के असली हकदार से रोजगार छीनना है। इसलिए उच्च योग्यता छिपाकर ली गई नौकरी कानूनन अमान्य होगी। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने सिंडिकेट बैंक के अटेंडेंट की नौकरी पाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री छुपाने वाले एक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था।

कोर्ट बोला- कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना सही

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कम पढ़े-लिखे लोग कम योग्यता वाली नौकरियों में ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ऐसे में सरकार का कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना पूरी तरह सही है। कोर्ट ने 2025 के एक पुराने फैसले

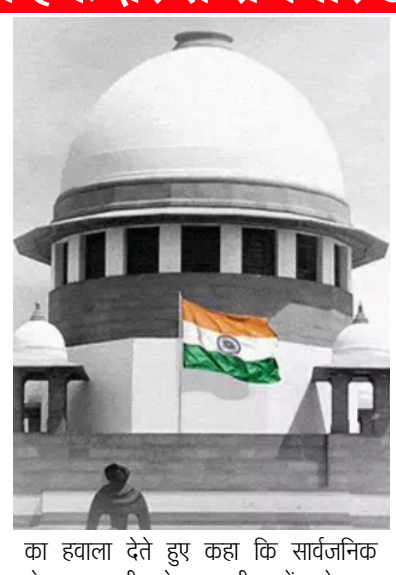

का हवाला देते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार सभी योग्य उम्मीदवारों को तय नियमों के तहत ही मिलना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि कोई उम्मीदवार तय सीमा से अधिक पढ़ा-लिखा है, उसे उस कम योग्यता वाले पद पर नियुक्ति का कोई स्वतः अधिकार नहीं मिल जाता। 27 मई को सुप्रीम कोर्ट ने **CBSE** 9वीं क्लास में थ्री-लैंग्वेज रूल पर अपनी सुनवाई में कहा कि थ्री-लैंग्वेज रूल लागू करने के फैसले पर जांच की जाएगी। साथ ही एससी ने कहा कि ये देखना होगा कि **CBSE** के थ्री-लैंग्वेज रूल की वजह से छात्रों और संसाधनों पर बेमतलब का दबाव तो नहीं पड़ रहा। **CJI** सूर्यकांत की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच ने कहा कि इस पॉलिसी को लागू करने में आने वाली जमीनी और व्यवस्थागत दिक्कतों को समझना होगा, खासकर तब जब शिक्षकों और किताबों दोनों की ही कमी है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- शिक्षकों को TET पास करना ही होगा

सुप्रीम कोर्ट ने 30 मई को स्पष्ट किया कि स्कूलों में काम कर रहे शिक्षकों के लिए टीचर इलिजिबिलटी टेस्ट पास करना अनिवार्य है। कोर्ट ने **TET** पास करने की समयसीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी। हालांकि कोर्ट ने कहा कि इसके बाद कोई और समय नहीं दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा, बिना **TET** योग्यता वाले शिक्षक सेवा में बने रहे तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा पर पड़ेगा। फैसले का असर देश के 20 लाख से ज्यादा शिक्षकों पर होगा। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 65 से अधिक पुनर्विचार याचिकाएं खारिज कर दीं।

कॉकरोच जनता पार्टी बोली- सीबीएसई चेयरमैन का ट्रांसफर सिर्फ दिखावा

सरकार से बातचीत को तैयार; दिल्ली में पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की, 6 जून को प्रदर्शन

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने बुधवार को दिल्ली में पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पार्टी की तरफ से तीन प्रवक्ता पहली बार अपनी मांगों को लेकर जनता के बीच आए। उन्होंने शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को दोहराया और कहा इसके लिए वे सरकार और विपक्ष दोनों से बातचीत को तैयार हैं। बीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने सीबीएसई चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता के तबादले को सिर्फ दिखावा बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय होनी चाहिए और केवल तबादलों से समस्या का समाधान नहीं होगा। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दिपके 6 जून को अमेरिका से दिल्ली पहुंचेंगे। इसके बाद वे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति लेने के लिए संसद मार्ग थाने जाएंगे। पार्टी ने देशभर के युवाओं से इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। पार्टी ने दावा किया कि जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हो सकते हैं। सीजेपी नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन शिक्षा व्यवस्था और राजनीतिक तंत्र को लेकर युवाओं की बढ़ती नाराजगी को दर्शाता है।

फायरिंग मामले में खान सर के गार्ड्स गिरफ्तार, हथियार जब्त

खान सर से पुलिस की पूछताछ, टीचर रौशन आनंद की रिहाई को लेकर सड़कों पर छात्र

पटना। पटना में खान सर के कोचिंग सेंटर पर 2 जून की रात हुए फायरिंग मामले में नया वीडियो सामने आया है। ये वीडियो ज्ञान बिंदु कोचिंग की ओर से जारी किया गया है। वीडियो में दावा किया गया है कि विवाद के दौरान फायरिंग खान सर के गार्ड ने की थी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस खान सर के कोचिंग सेंटर पहुंची और वीडियो में फायरिंग करते दिख रहे दोनों गार्ड्स को कदमकुआं थाने लेकर आई। 3 घंटे की पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने पुलिस को बताया है कि उन्होंने खान सर के कहने पर ही फायरिंग की थी। पुलिस ने दोनों के हथियार भी सत्यापन के लिए जब्त किए हैं। फायरिंग वाले वीडियो के सत्यापन के बाद कदमकुआं थाने में नई एफआईआर दर्ज की गई है। खान सर से भी कोचिंग के अंदर पुलिस ने पूछताछ की है। इधर, ज्ञान बिंदु के डारेक्टर की रिहाई के लिए छात्र सड़क पर उतरे हैं। कोचिंग से कारगिल चौक तक मार्च निकाला। कैंडल जलाकर रौशन आनंद की रिहाई

की मांग की। इस प्रदर्शन में 5 हजार से ज्यादा छात्र शामिल हुए।

2 जून की रात हमले के दौरान फायरिंग का आरोप

2 जून की रात करीब 10 बजे पटना में खान सर के कोचिंग सेंटर पर हमला हुआ था। आरोप है कि कुछ लोगों ने कोचिंग सेंटर के गार्ड की पिटाई की, परिसर में पत्थरबाजी की और खान सर के पोस्टर-बैनर फाड़ दिए। घटना की सूचना मिलने पर खान सर मौके पर पहुंचे। उन्होंने शुरुआत में दावा किया था कि हमलावरों ने 8 से 10 राउंड फायरिंग भी की है। हालांकि, कुछ समय बाद उन्होंने फायरिंग वाले बयान से दूरी बना ली। इसके बाद खान सर की ओर से ज्ञान बिंदु कोचिंग पर हमला कराने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई गई। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तारी के बाद रौशन आनंद ने आरोप लगाया था कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया है और इस घटना में उनकी कोई भूमिका नहीं है। अब नए वीडियो के सामने आने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

वीडियो में गार्ड के साथ मारपीट करते दिखे थे लोग

बुधवार को हमला के सीसीटीवी फुटेज भी आया। वीडियो में कुछ लोग कोचिंग के गार्ड के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान ईंट-पत्थर चलाए गए और कोचिंग के पोस्टर भी फाड़ दिए गए थे।

ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद समेत 3 को जेल भेजा

पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद और उनके दो सहयोगियों अभिषेक और गौरव को गिरफ्तार किया। बुधवार शाम तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद पटना सिविल कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेज दिया। गिरफ्तारी के बाद रौशन आनंद ने खुद को बेगुनाह बताते हुए कहा, पुलिस ने साफ किया है कि गोली चलने की बात नहीं है।

कोटपा एक्ट के उल्लंघन पर 1152 विदेशी सिगरेट जप्त

जयपुर द्वितीय। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौर एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉक्टर टी शुभमंगला के निर्देशन में सीएमएचओ जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मालवीय नगर स्थित मैसर्स कृपलानी जनरल स्टोर पर कार्यवाही करते हुए कोटपा एक्ट की धारा। का उल्लंघन करने पर बिना वैधानिक चेतावनी वाले विभिन्न ब्रांड डनहिल, ब्लैक, मोंड आदि के 1152 विदेशी सिगरेट के 54 पैकेट सीज किए। सीएमएचओ द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि प्रदेश में तंबाकू उत्पादों में कोटपा एक्ट के नियमों का उल्लंघन के विरुद्ध प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उच्चाधिकारियों के निर्देश पर आज टीम ने कार्यवाही की।उन्होंने बताया कि धारा 7 के अनुसार बिना वैधानिक चेतावनी के सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद बेचना गैरकानूनी है। संबंधित के विरुद्ध कोटपा एक्ट के तहत सक्षम न्यायालय में चालान पेश किया जाएगा। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान एवं राजेश नागर शामिल रहे।

झुंझुनू के योगी स्टेडियम के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जीते पदक

झुंझुनू/अरुण मुंड। दौसा में 1 से 3 जून तक आयोजित राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में झुंझुनू जिले के योगी स्टेडियम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में रोहित (57 किलोग्राम वर्ग) एवं महिमा नैन (70 किलोग्राम वर्ग) ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर योगी स्टेडियम में उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सम्मान समारोह में राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ के कार्यकारी सदस्य एवं अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो कोच सुभाष योगी, जिला बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष नागेंद्र सैनी, जिला बॉक्सिंग संघ की सचिव संगीता योगी, जश्न योगी, जगदीप बराला, आकाश योगी तथा क्रिकेट कोच हितेश योगी सहित अनेक खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। खिलाड़ियों की इस सफलता से जिले के खेल जगत में खुशी का माहौल है तथा अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा जल चौपाल का किया गया आयोजन

● अतुल्य संसार नेटवर्क

बूंदी। वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अन्तर्गत गुरुवार को पंचायत समिति बून्दी की ग्राम पंचायत गरडदा मे जल चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गायत्री गुर्जर, वार्ड पंच एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे जिसमे जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के अधिकारियो द्वारा जल संचय से सम्बन्धित जानकारी दी गई एवं समस्त ग्रामवासियो को जल बचाने एवं जल का सदुपयोग करने के बारे में जागरूक किया गया। अभियान के तहत पंचायत समिति हिण्डोली की ग्राम पंचायत विजयगढ़ में गौशाला मे तलाई निमार्ण कार्य में श्रमदान एवं रिजार्च साफ्ट कार्य का भूमि पूजन किया गया साथ ही ग्राम पंचायत मे जल चौपाल का आयोजन कर समस्त ग्रामीणो को जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा जल बचाने एवं जल का सदुपयोग करने के बारे मे जानकारी दी गई। इस प्रकार पंचायत समिति नैनवा की ग्राम पंचायत मौडसा मे, पंचायत समिति के0पाटन की ग्राम पंचायत चाणर्दा खुर्द एवं पंचायत समिति तालेडा की ग्राम पंचायत राजपुरा मे जल चौपाल का आयोजन किया गया। साथ ही ग्रामवासियो को पौधारोपण का महत्व एवं वर्षाकाल में अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया।

टीसीएस के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

पीड़ित बोली- कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने, मुस्लिम से संबंध बनाने को कहा, शिकायत की तो इस्तीफा लिया

पुणे। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। पीड़ित महिला ने कहा अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था।

जिले में मातृ, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन

एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत बालिकाओं का हो रहा नि:शुल्क टीकाकरण

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर द्वितीय। मातृ, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर गुरूवार को जिले में चिकित्सा संस्थानों पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया गया। इसमे गर्भवती महिलाओं और बच्चों को टीके लगाए गए। एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत बालिकाओं का नि:शुल्क टीकाकरण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि जिले में प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाडी केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में गुरुवार को एमसीएचएन डे पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन कर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को टीके लगाए गए। एनीमिया उपचार के लिए गर्भवती व धात्री महिलाओं को फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज इंजेक्शन लगाए गए। साथ ही एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं का चिकित्सा संस्थानों पर निःशुल्क टीकाकरण किया गया।

उन्होंने बताया कि मातृ, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर आयोजित सत्रों में गर्भवती महिलाओं और परिजनों को पर्याप्त व उचित पोषण के विषय में जानकारी दी गई और नियमित रूप से पोषणयुक्त खानपान लेने के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही मौसमी बीमारियों की रोकथाम के बारे में बताया गया। टीकाकरण सत्रों की जिला एवं ब्लॉक स्तर से प्रभावी मॉनिटरिंग की गई।

कुआलालंपुर में सम्पन्न हुई द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैम्पियनशिप 2026

भारत ने जीते दो कांस्य पदक

● अतुल्य संसार नेटवर्क

विजयपाल सैनी शाहपुरा। कुआलालंपुर मलेशिया के प्रतिष्ठित Paralympic E&cellence Centre, Kuala Lumpur में आयोजित द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैम्पियनशिप 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। एशिया के विभिन्न देशों की भागीदारी वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में कांस्य पदक (Bronze Medal) हासिल कर देश का गौरव बढ़ाया। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान प्रशांत के नेतृत्व में टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। टीम के उपकप्तान राजस्थान के सुभाष चंद बुनकर एवं अरुण कुमार ने महत्वपूर्ण योगदान देते हुए भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं महिला वर्ग में राजस्थान की निर्मला एवं रहमत खातून के शानदार प्रदर्शन ने भारतीय महिला टीम को भी कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रतियोगिता में कम्बोडिया ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पुरुष वर्ग में श्रीलंका ने रजत पदक प्राप्त किया, जबकि महिला वर्ग में मेजबान मलेशिया ने रजत पदक हासिल किया। समापन समारोह में भारत की ओर से Singhania University के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार (आईएएस, सेवानिवृत्त) तथा विश्व पैरा थ्रोबॉल महासंघ की अध्यक्ष निर्मला रावत विशेष रूप से उपस्थित रही। उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं पदक जीतने पर हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चैम्पियनशिप की समापन समारोह के दौरान World Para Throwball Federation एवं Asian Para Throwball Federation द्वारा वर्ष 2027 में आयोजित होने वाली तृतीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैम्पियनशिप की मेजबानी भारत को सौंपने की घोषणा की गई। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता राजस्थान के झुंझुनूं स्थित Singhania University में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर सभी सहभागी देशों एवं खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी चैम्पियनशिप के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी गईं।

भारत की ओर से प्रतियोगिता में आधिकारिक प्रतिनिधित्व एवं आयोजन संबंधी जिम्मेदारी निभाने हेतु निवाणा (जयपुर) के कृष्ण कुमार कुमावत तथा झुंझुनूं (राजस्थान) की सकीना (मुस्कान) को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। यह राजस्थान एवं भारत के लिए गर्व का विषय है कि आगामी एशियाई स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन राजस्थान की धरती पर होने जा रहा है। इस उपलब्धि ने भारतीय पैरा थ्रोबॉल खिलाड़ियों के मनोबल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है तथा देश में पैरा खेलों के विकास को और अधिक गति प्रदान की है।

किशोरपुरा में जंगली जानवरों का आतंक एक ही परिवार की 20 भेड़ बकरियों को बनाया शिकार

वन विभाग के अधिकारियों के सामने फूटा गुस्सा, जंगली जानवरों को भगाओ गांव बचाव के लगे नारे, वन विभाग, रेवेन्यू विभाग एवं पुलिस की मौजूदगी में चिकित्सकों ने किया पोस्टमार्टम ग्रामीण मृत जानवरों के शव उपखंड कार्यालय पर ले जाने पर अड़े, रेंजर धर्मवीर एवं समाजसेवी सुरेश मीणा किशोरपुरा के मुआवजा दिलाने के आश्वासन पर हुए सहमत

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। किशोरपुरा गांव की ढाणी भारमवाला में गुरुवार की रात गरीब किसान चरवाहा दलीप उर्फ पांडू सैनी के खेत में बंधी लगभग 20भेड बकरियों को जंगली जानवरों ने मौत के घाट उतार दिया। जानकारी के अनुसार पांडु उर्फ दलीप सैनी तीन दिन पहले ही अपने घर पर रोजी रोटी के लिए इन पालतू भेड़ बकरियो को खरीदा कर लाया था। इससे पहले पांडु आधे बांटे में पशु मालिक की मवेशिया चराया करता था। लोगो का कहना है कि रात्रि में भगेरे ने इनको मौत का शिकार बनाया है। 10भेडों और 2 बकरियों को नोचने के कंकाल मौके पर मिले है। एक भेड़ गंभीर घायल अवस्था में मिली है। जबकि 8 मवेशी लापता है। शेष 15 मवेशी जान बचाकर भाग गै जो मिल गए है। सुबह जब इसकी सूचना गांव के लीला राम खटाना ने सुरेश मीणा किशोरपुरा, रविंदर सिंह पोंख को दी तो यह लोग भी घटना स्थल पहुंच गए जहां काफी संख्या में ग्रामीण पहले से मौजूद थे। सूचना के बाद मौके पर उदयपुरवाटी रेंजर धर्मवीर सिंह ओर उनकी टीम मौके पर पहुंची जहां पशु चिकित्सकों की टीम ने मृत जानवरों का पोस्टमार्टम करवाया। चंवरा पुलिस चौकी का स्टाफ एवं स्थानीय पटवारी भी मौके पर पहुंच गए।जहां ग्रामीणों ने आक्रोश प्रकट करते हुए नारे बाजी की ओर स्थानीय गार्ड सरोज कुमारी की शिकायत कर उसे हटाने की मांग की। समाज सेवी सुरेश मीणा किशोरपुरा ने कहा कि किशोरपुरा में कई बार इस प्रकार की घटनाएं हो गई है। पूरे पहाड़ी क्षेत्र में प्रतिदिन जंगली जानवर किसी ना किसी गरीब पशुपालक के मवेशियों को मौत के घाट उतार रहे हैं।अब यह बर्दाश्त से बाहर हो गया है। अब इसके लिए बड़ा आंदोलन तैयार करना होगा।जब तक इन जंगली जानवरों को ऐसे पहाड़ी क्षेत्र से निकाला नहीं जाएगा तब तक यह घटनाएं रुकेगी नहीं। उन्होंने कहा कि जानवर ही नहीं अब तो आम जन भी इनके खतरे से डर रहा है। रात्रि में मनुष्य को भी यह जानवर मौत का शिकार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा लोकसभा और विधान सभा में गूंजना ही नहीं चाहिए बल्कि इसका समाधान भी अमल में लाना चाहिए। आक्रोशित ग्रामीणों ने मृत जानवरों के कंकाल उदयपुरवाटी उपखंड के सामने ले जाने को कहा। रेज़र धर्मवीर ने मुआवजा राशि दिलाने का पक्का आश्वासन दिया ओर नवीन कुमार को नया फोरेस्टर लगाए जाने की बात कही ।इसके बाद सुरेश मीणा किशोरपुरा ने ग्रामीणों को विश्वास में लेकर मृत जानवरों को दफनाने के लिए भेजा। इस अवसर पर शिंभु दयाल सेनी, छगन सैनी, लीला राम खटाना, लीला राम सेनी,शीशराम ठेकेदार, रोहिताश भोपा, रामवतार ठेकेदार, जीता सैनी,शीशराम खटाना, वेदप्रकाश, सैनी, जिन्ना सैनी, युवा नेता रवींद्र सिंह पोंख, आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा, छोटू गुर्जर, रामनिवास सैनी राकेश कुमार, सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

पिता के सामने बच्ची को उठा ले गया तेंदुआ, नोंचकर खा गया मांस, ऐसे हाल में मिली लाश

भावनगर। गुजरात के भावनगर जिले में तेंदुए के हमले की एक दर्दनाक घटना सामने आई है। महुवा तालुका के कांतसर गांव में पांच वर्षीय दिव्या गोहिल की तेंदुए के हमले में मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार दिव्या अपने पिता ओधाभाई गोहिल के साथ बगीचे में खेल रही थी। इसी दौरान अचानक एक तेंदुआ वहां पहुंचा और बच्ची पर हमला कर उसे उठाकर ले गया। घटना इतनी तेजी से हुई कि परिवार के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले तेंदुआ बच्ची को निकल गया। बेटी के गायब होने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद दिव्या का शव बगीचे के पास ही बरामद हुआ। उसका शरीर खून से सना था और तेंदुए ने उसकी बांह का मांस भी नोंच लिया था। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव के लोगों में भी गहरा दुख और भय व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में पिछले कुछ समय से तेंदुए की गतिविधियां देखी जा रही थीं। अब इस घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने आदमखोर तेंदुए को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया है। कांतसर गांव और आसपास के क्षेत्रों में पिंजरे लगाए गए हैं तथा वन कर्मी लगातार निगरानी कर रहे हैं। वन विभाग का कहना है कि तेंदुए को जल्द पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि क्षेत्र में दोबारा ऐसी कोई घटना न हो और ग्रामीणों में व्याप्त डर को खत्म किया जा सके।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मंडावरा में आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

प्रभारी सचिव नवीन जैन एवं जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग रहे उपस्थित

● अतुल्य संसार नेटवर्क

उदयपुरवाटी/सुमेर सिंह राव। उपखंड क्षेत्र के मंडावरा में जिले में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत गुरुवार को उदयपुरवाटी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मंडावरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव डॉ. नवीन जैन ने की। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर, मुख्य वन संरक्षक सी.आर. मीणा, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, अभियान के जिला समन्वयक विशंभर पूनिया, जिला संयोजक राकेश शर्मा, पुरुषोत्तम खाजपुरिया, वीरपाल सिंह शेखावत, अजय भालोटिया, अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद अतिथियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी सचिव ने उपस्थित जनसमूह को जल बचाने की शपथदिलवाई। वाटरशैड एसई मनोज गौड़ ने बताया कि इस दौरान अतिथियों ने जल संरक्षण के लिए निर्मित की जा रही एनिकट संरचना के कार्य का अवलोकन भी किया। प्रभारी सचिव डॉ. नवीन जैन ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इस महत्वपूर्ण अभियान में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना हम सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जल संग्रहण और भूजल का पुनर्भरण (रिचार्ज) दोनों ही समान रूप से आवश्यक हैं। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि प्रकृति हमें ऑक्सीजन, सूर्य का प्रकाश और पानी जैसी अमूल्य सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराती है। इसलिए हमारा भी दायित्व है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि इसे जन-जन का अभियान बनाकर जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरण करना होगा।

पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पानी की समस्या मातृशक्ति के लिए सबसे बड़ी समस्या है और संरक्षण के लिए वे ही सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगी। उन्होंने कहा कि बहते पानी को रुकना सिखाओ, चलते पानी को रेंगना सिखाओ, रेंगते पानी को ठहराना सिखाओ, जब जल ठहरेगा तभी भूमि में जाएगा और जल का स्तर पड़ेगा। इस दौरान जिला परिषद सीईओ पुरुषोत्तम धानका, एसीईओ रामनिवास चौधरी, उदयपुरवाटी एसडीएम सुमन सोनल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, पीएचईडी एसई राजपाल सिंह, एवीवीएनएल एसई महेश टीबड़ा, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक देवेंद्र चौधरी, एसीएफ हरेंद्र भाखर, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, जिला उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक अभिषेक चोबदार समेत विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

संयुक्त निदेशक डॉ यदूराजसिंह ने किया बीडीके अस्पताल का निरिक्षण

एमसीएच विंग, रामाश्रय वार्ड ,लू-तापघात वार्ड की व्यवस्थाओं की सराहना की

अस्पताल में भामाशाहों के योगदान से 21 जंबो कूलर से रोगीयों की सेवा को अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी बताया

झुंझुनू/अरुण मुंड। जिले के सबसे बड़े राजकीय बीडीके अस्पताल का संभाग जयपुर के संयुक्त निदेशक डॉ यदूराज सिंह ने निरिक्षण किया । डॉ यदूराज ने अस्पताल के 2500-3000 की ओपीडी को अस्पताल की बेहतरीन सेवाओं का संकेत बताया है। अस्पताल में प्रसूताओं से चिकित्सा सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया गया है।सूरजगढ़ निवासी प्रसूता विमला ने बताया कि अस्पताल में प्रसूताओं के लिए एक ही जगह पर सामान्य प्रसव,जटिल एवज सिजेरियन प्रसव, ब्लड बैंक,प्लेटलेट की सुविधा, नवजात शिशू हेतू आईसीयू की सुविधाएं का लाभ मिल रहा है। डॉ यदूराज सिंह ने लू-तापघात वार्ड का अवलोकन किया एवं आमजन में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश प्रदान किए गये है। पीएमओ डॉ जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि अस्पताल में लू-तापघात के बचाव एवं उपचार की मॉकड्रील एवं जन-जागरूकता निरंतर की जा रही है। जागरूकता के कारण लू-तापघात से जिलेभर में विगत 5 वर्षों में मृत्यू शून्य है। अस्पताल में प्रतिमाह 400-500 प्रसव एवं 100-150 नवजात शिशुओं को उपचार प्रदान किया जा रहा है। संयुक्त निदेशक ने अस्पताल के ऑक्सीजन प्लांट का निरिक्षण कर एकांतर रुप से संचालित करने के निर्देश दिए गये। अस्पताल में मा योजना की निरंतर समीक्षा बैठक आयोजित करने एवं अधिकाधिक आमजन को योजना का लाभ प्रदान करने के निर्देश प्रदान किए गये। मा योजना में टीआईडी उत्पत्ति,शैय्या क्षमता का 50त्न से ज्यादा करने के निर्देश प्रदान किए। डा यदूराज ने बताया कि राज्यभर में ओडीके ऐप द्वारा निरिक्षण रिपोर्ट करने से चिकित्सा सेवाओं का सुदृढ़ीकरण हुआ है। आमजन के चिकित्सा सेवाएं और सुलभ एवं सुगम हुई है। इस दौरान पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशू रोग विशेषज्ञ डॉ जितेंद्र भाम्बू, आरएमओ डॉ सिद्धार्थ शर्मा , फिजिशियन डॉ महेंद्र सानेल , डॉ संदीप नेमीवाल, डॉ नावेद अख्तर,डॉ राकेश कुमार, नर्सिंग अधीक्षक ओमप्रकाश, सुरेश मील, किरण ,सरिता उपस्थित रहे।

केसेस के टाइम बाउंड निपटारे की मांग वाली अर्जी खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-हम वकीलों से टकराव नहीं चाहते, स्थगन पर गाइडलाइन बनाने से भी इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केसेस के टाइम बाउंड (समयबद्ध) निपटारे की मांग वाली अर्जी खारिज कर दी। साथ ही देशभर के कोर्ट्स में स्थगन (एडजर्नमेंट) पर गाइडलाइन बनाने की मांग पर सुनवाई से इनकार कर दिया। इसी दौरान बेंच ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, हम वकीलों से दुश्मनी नहीं लेना चाहते। हम वकीलों के दोस्त हैं। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी. मोहन की बेंच में यह याचिका एक वकील की ओर से दायर की गई थी। याचिकाकर्ता खुद कोर्ट में पेश हुए और कहा कि अर्जी का मकसद कोर्ट्स में अनियंत्रित स्थगन पर दिशा-निर्देश तय कराना है।

केस फ्लो मैनेजमेंट पॉलिसी बनाने की मांग की थी

याचिका में देशभर की सभी अदालतों के लिए एक समान राष्ट्रीय केस फ्लो मैनेजमेंट पॉलिसी तैयार करने और लागू करने की मांग भी की गई थी। याचिका में कहा गया था कि इस नीति में मामलों की सुनवाई के अलग-अलग चरणों के लिए तय समय-सीमा हो।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मंडावरा में आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

प्रभारी सचिव नवीन जैन एवं जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग रहे उपस्थित

● अतुल्य संसार नेटवर्क

उदयपुरवाटी/सुमेर सिंह राव। उपखंड क्षेत्र के मंडावरा में जिले में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत गुरुवार को उदयपुरवाटी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मंडावरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव डॉ. नवीन जैन ने की। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर, मुख्य वन संरक्षक सी.आर. मीणा, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, अभियान के जिला समन्वयक विशंभर पूनिया, जिला संयोजक राकेश शर्मा, पुरुषोत्तम खाजपुरिया, वीरपाल सिंह शेखावत, अजय भालोटिया, अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद अतिथियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी सचिव ने उपस्थित जनसमूह को जल बचाने की शपथदिलवाई। वाटरशैड एसई मनोज गौड़ ने बताया कि इस दौरान अतिथियों ने जल संरक्षण के लिए निर्मित की जा रही एनिकट संरचना के कार्य का अवलोकन भी किया। प्रभारी सचिव डॉ. नवीन जैन

ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इस महत्वपूर्ण अभियान में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना हम सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जल संग्रहण और भूजल का पुनर्भरण (रिचार्ज) दोनों ही समान रूप से आवश्यक हैं। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि प्रकृति हमें ऑक्सीजन, सूर्य का प्रकाश और पानी जैसी अमूल्य सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराती है। इसलिए हमारा भी दायित्व है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि इसे जन-जन का अभियान बनाकर जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरण करना होगा। पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पानी की समस्या मातृशक्ति के लिए सबसे बड़ी समस्या है और संरक्षण के लिए वे ही सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगी। उन्होंने कहा कि बहते पानी को रुकना सिखाओ, चलते पानी को रेंगना सिखाओ, रेंगते पानी को ठहराना सिखाओ, जब जल ठहरेगा तभी भूमि में जाएगा और जल का स्तर पड़ेगा। इस दौरान जिला परिषद सीईओ पुरुषोत्तम धानका, एसीईओ रामनिवास चौधरी, उदयपुरवाटी एसडीएम सुमन सोनल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, पीएचईडी एसई राजपाल सिंह, एवीवीएनएल एसई महेश टीबड़ा, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक देवेंद्र चौधरी, एसीएफ हरेंद्र भाखर, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, जिला उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक अभिषेक चोबदार समेत विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

विकास कार्यों में तेजी लाएं, आमजन की समस्याओं का समाधान हो प्राथमिकता- बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

बूंदी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को जिले में संचालित विकास कार्यों और बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमारा मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समाधान करना है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक शत-प्रतिशत पहुंचे। गत वर्ष जिले में आई भीषण बाढ़ का जिक्र करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित गांवों झालीजी का बराना, ख्यावदा, मालियों की बाड़ी (रिहाणा), पचीपला, खेडिया दुर्जन और बोरदा काछियान में मुआवजे में आ रही रुकावटों को दूर किया जाए। जो प्रकरण शेष हैं, उन्हें तुरंत ऑनलाइन करवाया जाए ताकि मुआवजे की अग्रिम कार्यवाही तेजी से हो सके। इसके अलावा, आमजन की सुविधा के लिए जन्म प्रमाण पत्र सीधे चिकित्सा संस्थान से ही प्राप्त होने की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए। विकसित भारत 2047 के विजन के तहत गणेशपुरा

भील को एक मॉडल (पायलट) गांव के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए घर-घर सर्वे कर हर नागरिक को सुविधाओं से जोडा जाएगा। बिरला ने निर्देश दिए कि एनएफएसए में आधार सीडिंग, जन आधार मैपिंग, पालनहार, विधवा पेंशन और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ हर एक पात्र व्यक्ति को मिलना चाहिए। इसके लिए सभी जिम्मेदार अधिकारी व्यक्तिगत रूप से प्रयास करें। बूंदी शहर के विकास को लेकर बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। पुरानी कृषि उपज मंडी में प्रस्तावित नवीन बस स्टैंड के लंबित कार्यों में गति लाने को कहा गया है। जिले में पर्यटन को पंख लगाने के लिए बीजासन माता रोपवे, रामसागर झील का सौंदर्यीकरण और नवल सागर झील पर लाइट एंड साउंड शो शुरू करने पर जोर दिया गया। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (आरवीटीआर) और जैतसागर में विलेज टूरिज्म को प्रोत्साहित करने तथा टाइगर सफारी के लिए आरवीटीआर में स्थित गांवों की विस्थापन प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

शहर की सफाई व्यवस्था और संसाधनों की कमी पर बात करते हुए बिरला ने नगर परिषद बूंदी को संसाधनों के प्रस्ताव भिजवाने और आपसी तालमेल से सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि जिले में चारागाह और सिवायचक (सरकारी) भूमि पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर परिषद क्षेत्र में ऐसी जमीनों को तुरंत प्रभाव से अतिक्रमण मुक्त कर वहां सरकारी भूमि होने का बोर्ड लगाया जाए। बैठक में हुडको से प्राप्त ऋण राशि से करवाए जा रहे स्वीकृत कार्यों की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने रामगढ विषधारी में पर्यटन को बढावा देने के लिए वन विभाग द्वारा तैयार करवाई गई डॉक्डयूमेंट्री को जारी किया और ब्रोशर का अनावरण भी किया। बैठक में जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव, पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा, जिलाध्यक्ष रामेश्डवर मीणा, डीएफओ आरवीटीआर अरूण डी कुमार, उपवन संरक्षक ए.एन. गुप्डता, अतिरिक्डत निजी सचिव राजेश डागा, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा आदि मौजूद रहें।

भाजपा जयपुर शहर कार्यालय में अनुसूचित जनजाति समाज ने जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल का आभार व्यक्तकिया

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर कार्यालय में आज अनुसूचित जनजाति समाज के प्रतिनिधियों द्वारा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल का 21 किलो की विशाल माला पहनाकर तथा भगवान श्रीराम के प्रतीक स्वरूप धनुष-बाण भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विकास मीणा का भी दुपट्टा, माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मीणा समाज के बड़ी संख्या में समाजबंधु, मातृशक्ति, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, उल्लास, संगठनात्मक एकता एवं सामाजिक समरसता का वातावरण देखने को मिला। समाजजनों ने पुष्पमालाओं, जयघोष, ढोल-नगाड़ों एवं पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भाजपा संगठन एवं जिलाध्यक्ष अमित गोयल के प्रति अपना विश्वास और समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि अनुसूचित जनजाति समाज जंगल जीव राजनीतिक परंपरा का सम्मान ,भारतीय संस्कृति, प्रकृति संरक्षण, राष्ट्रभक्ति एवं सामाजिक समरसता की गौरवशाली विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय जनता पार्टी सदैव अनुसूचित जनजाति समाज के सम्मान, अधिकारों एवं सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकास मीणा के नेतृत्व में अनुसूचित जनजाति मोर्चा संगठन को नई ऊर्जा प्राप्त करेगा

तथा समाज और संगठन के मध्य समन्वय और अधिक मजबूत होगा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विकास मीणा ने पार्टी नेतृत्व एवं समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा एवं जनसेवा के संकल्प को लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का कार्य करेंगे तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों एवं महिला कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया। मीडिया सह-प्रभारी नयन माधाणी (अग्रवाल) ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर जिला महामंत्री नवरत्न नराणिया, राजेश ताम्बी, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पुरुवंशी, अजय सिंह चौहान, जिला मंत्री प्रिया ज्ञानानी, जी. राम मीणा, कार्यालय मंत्री क्षमा अग्रवाल, सह कार्यालय मंत्री कमलेश जायसवाल, राज सिंह राठौड़ सहित जिला पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

योग, चेयर योग एवं ध्यान पद्धति से विद्यार्थियों ने सीखे तनाव प्रबंधन एवं आत्मसंतुलन के सूत्र

हिण्डोली कृषि महाविद्यालय में हार्टफुलनेस योग एवं ध्यान सत्र सम्पन्न

● अतुल्य संसार नेटवर्क

बूंदी/हिण्डोली। जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग की ओर से जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव के मार्गदर्शन में संचालित योग जागरूकता अभियान के तहत हिण्डोली स्थित कृषि महाविद्यालय में आयुर्वेद विभाग के पीएमओ व योग दिवस समन्वयक डॉ. सुनील कुशवाह के निर्देशन में हार्टफुलनेस टीम द्वारा विशेष योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए तनावमुक्त एवं संतुलित जीवनशैली की दिशा में प्रेरित करना रहा। सत्र के दौरान योग शिक्षिका चांदनी वरियानी द्वारा प्रतिभागियों को चेयर योग एवं विभिन्न प्राणायामों का अभ्यास करवाया गया। उन्होंने नियमित योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन, मानसिक एकाग्रता एवं तनाव प्रबंधन के

व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। इसके पश्चात हार्टफुलनेस शिक्षक पुष्पेंद्र कुमार शर्मा एवं उमाकांत शर्मा द्वारा ध्यान की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को हार्टफुलनेस ध्यान पद्धति का अभ्यास कराया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को आंतरिक शांति, भावनात्मक संतुलन एवं एकाग्रता बढ़ाने के उपायों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में जयकिशन वरियानी भी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के निदेशक डॉ. बी.एल. मीणा एवं डॉ. वीरेंद्र सिंह (डायरेक्टर, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कोटा) सहित महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जिले में योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियाँ निरंतर संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य जनमानस में स्वस्थ जीवनशैली एवं योग संस्कृति का विस्तार करना है।

दिल्ली होटल आग, मालिक 4 दिन पुलिस रिमांड पर

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था।

होटल मालिक बोला- मैं नहीं दूसरे लोग संभालते थे काम

गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था। उसने यह भी कहा कि होटल में कमरे बड़े करने और अन्य बदलावों की सलाह भी किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी। बजाज ने दावा किया कि सलाह देने वाले व्यक्ति ने उससे कहा था- होटल में ये सारे मॉडिफिकेशन नॉर्मल हैं और दिल्ली में सब चलता है।

हादसा होने की 5 बड़ी वजह

खिड़कियां बंद थीं। वेंटिलेशन नहीं था। आने-जाने का सिर्फ एक रास्ता था। जगह काफी सकरी थी। बाहरी फायर एस्केप (आपातकालीन निकास) की कोई व्यवस्था नहीं थी। ऐसी इमारतें 'चिमनी' जैसी बन जाती हैं, धुआं-गर्मी कुछ ही सेकंड में ऊपर पहुंच जाती है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, सेंसर आधारित मुख्य गेट बंद हो गया था।

शिमला में मूसलाधार बारिश, मनाली में धूप

अगले 6 दिन बरसेंगे बादल, 3डिग्री तक गिरेगा तापमान, कल 5 जिलों में भारी ओलावृष्टि-तूफान का अलर्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में दोपहर पौने एक बजे के बाद लगभग डेढ़ घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। इससे शहर की सड़कें पानी के तालाब में तब्दील हो गई। भारी बारिश के बाद टूरिस्ट के भरा रिज पूरी तरह खाली हो गया। शिमला में कुछ ही देर में 32.8 मिलीमीटर बारिश हुई।

मंडी के सुंदरनगर में 19 मिमी, सोलन में 6 मिमी और कुफरी में 13 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने शिमला समेत पांच जिले कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला व सिरमौर में आज और कल बारिश के साथ आंधी व तूफान व ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट दे रखा था, जबकि चंबा, कांगड़ा और सोलन में यलो अलर्ट दिया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष कवरेज स्टोरी

सीजेआई बोले- शहरों में व्यक्ति भीड़ में भी अकेला, गांवों में समुदाय अब भी जीवन का केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक आर्टिकल लिखा। उन्होंने लिखा- भारत के विकास की चर्चा महानगरों, उद्योगों, तकनीक और आधुनिक संरचना के संदर्भ में की जाती है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और तीव्र आर्थिक गतिविधियां प्रगति का प्रतीक मानी जाती हैं, किंतु इस विकास यात्रा के बीच महत्वपूर्ण प्रश्न हमारे सामने खड़ा है- क्या हम अनजाने में गांवों की मूल आत्मा को खोते जा रहे हैं? क्या विकास का अर्थ यह होना चाहिए कि गांव धीरे-धीरे शहर का रूप ले लें अथवा हमें ऐसा भारत निर्मित करना चाहिए, जहां गांव अपनी सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक आत्मीयता और जीवन मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से भी सम्पन्न हों? यह पूरे भारत के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है, परंतु हरियाणा के गांवों का उल्लेख इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि वहां आज भी सामुदायिक जीवन, श्रम संस्कृति आत्मसम्मान और सामाजिक सहभागिता की परंपरा जीवंत है। यही स्थिति देश के अनेक राज्यों के गांवों में भी दिखाई देती है। भारत की वास्तविक शक्ति गांवों में बसती है। यदि गांवों का चरित्र ही बदल गया तो भारत की आत्मा भी प्रभावित होगी।

आज चुनौती यह नहीं कि गांवों तक विकास कैसे पहुंचाया जाए

असली चुनौती यह है कि विकास पहुंचाते समय गांवों को 'शहर' बनने से कैसे बचाया जाए। गांवों में सड़कें हों, आधुनिक विद्यालय, उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं, डिजिटल सुविधाएं, रोजगार के अवसर हों, यह जरूरी है। परंतु यह भी उतना ही जरूरी है कि गांवों की सामाजिक संरचना, सामूहिकता, पर्यावरणीय संतुलन व मानवीय निकटता सुरक्षित रहे। वर्तमान समय में बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। इसका प्रमुख कारण केवल आर्थिक नहीं है। कई बार यह स्वाभाविक धारणा भी होती है कि सम्मानजनक जीवन, अवसर और आधुनिक सुविधाएं केवल शहरों में ही उपलब्ध हैं। यदि हमें गांवों को सशक्त बनाना है और इस सोच को बदलना है, तो हमें इस पलायन को हतोत्साहित करना होगा। जब युवाओं को यह अनुभव होगा कि वे अपने गांव में रहकर भी सम्मान, अवसर और प्रगति प्राप्त कर सकते हैं, तभी पलायन की प्रवृत्ति स्वाभाविक रूप से कम होगी।

● अतुल्य संसार नेटवर्क

विजयपाल सैनी शाहपुरा। गोविन्द भारद्वाज ने अपना पूरा जीवन ही पर्यावरण और वन्य जीवों को समर्पित कर दिया है। कहते है कि भगवान ने मनुष्य को पृथ्वी पर बेजुबान जीवों के कष्ट दूर करने के लिए भेजा है। जिन्होंने अपना जीवन ही पर्यावरण और वन्य जीवों को समर्पित कर दिया है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस कथन सत्य करने वाले पावटा तहसील के ग्राम भांकरी निवासी गोविन्द भारद्वाज है, जो कि दिन हो रात पर्यावरण एवं वन्य जीवों की रक्षा करने में जुटे रहते है। इसके अलावा विलुप्त होते वन्यजीवों को बचाने में भी जुटे रहते है। इस कार्य में पूरा मार्ग दर्शन बड़े भाई प्रसिद्ध ज्योतिषी पं. डॉ गौरीशंकर शर्मा का है। पं. गौरीशंकर शर्मा प्रत्येक वर्ष 5 जून से बरसात के अन्त तक हजारों की संख्या में पेड़ लगाते है इनकी प्रेरणा पूरा परिवार निभा रहा है। भारद्वाज की नियुक्ति पशुपालन विभाग मे 8 अक्टूबर 2013 से पशुधन सहायक के रूप मे हुई थी। भारद्वाज ने अब तक सेवा काल में 31416 गाय, 3650 नील गाय 3170 मोर, 401 बन्दर, 398 लंगूर, तीन जरख, तीन हिरण, एक उल्लू, 6 गीदड़, 3 लोमड़ी,आठ सौ से अधिक छोटे परिंदों का उपचार किया है।

साथ ही भारद्वाज ने डॉ. गौरीशंकर शर्मा ,मोहित शर्मा, एवं दिव्या शर्मा के साथ मिलकर दुर्लभ प्रजाति के 27 बाज पक्षियों का उपचार किया जो वन्य जीव संरक्षण का बहुत बड़ा उदाहरण है। इसके अलावा 420 पशुओं के ऐसे बच्चों को निप्पल एवं बोतल से दूध पिलाकर पालन - पोषण किया है, जिनकी मॉ मर गयी या जंगल में छोड़कर चली गई। इनमें नील गाय, गाय, बन्दर एवं लंगूर के बच्चे सम्मिलित है। जब ये बच्चे घास खाने लगते है तो इनको जंगल में छोड़ दिया जाता है। इन बच्चों को रोजाना सुबह एवं शाम बोतल एवं निप्पल से दूध पिलाते है। इस कार्य में डॉ. गौरीशंकर शर्मा, मोहित शर्मा एवं दिव्या शर्मा भी रोज अपनी सेवा देते है। यही नही इन बेजुबान जीवों के बच्चों का भी भारद्वाज के प्रति इतना लगाव हो जाता है कि बोतल को देखते ही दौड़कर दूध पीने आ जाते है, और जब इन बच्चों को बड़ा होने पर जब जंगल में छोड़ने जाते है,

इनके साथ - साथ वन्य जीवों के बच्चों की ऑखो में भी पानी आ जाता है। भारद्वाज ने बताया कि मेरी माता का बचपन में स्वर्गवास हो गया था इसलिए मैं इन वन्य जीवों के बिना मॉ के बच्चों की सेवा करके अपने जीवन को सार्थक बना रहा हूं।

7545 निराश्रित पशुओं एवं राष्ट्रीय पक्षी मोर का प्लास्टर कर उन्हें चलने योग्य बनाया

राष्ट्रीय राजमार्ग 248 अत्यधिक व्यस्तम राजमार्ग है जिस पर आये दिन सड़क हादसे में घायल होकर गायों के पैर टूट जाते है तो भारद्वाज उनके प्लास्टर करके उनको चलने योग्य बनाते है। उन्होंने 7545 गोवंशो के प्लास्टर कर उनको चलने योग्य बनाया है।

56 वन्य जीवों एवं राष्ट्रीय पक्षी मोर को कुंए से सकुशल निकालकर उनकी जान बचाई

भारद्वाज ने नारायणपुर-बानसूर, पावटा, शाहपुरा, विराटनगर क्षेत्र में अब तक डॉ. गौरीशंकर शर्मा, मोहित शर्मा, एवं दिव्या शर्मा के साथ मिलकर कुंए में गिरकर घायल हुए 31 पशु-पक्षियों को अपने प्राणों की परवाह किए बिना कुंए से सकुशल निकाल कर व उपचार कर उनकी जान बचाई। भारद्वाज दिन हो रात हमेशा शाहपुरा, पावटा, विराटनगर, कोटपूतली, बानसूर, नारायणपुर एवं थानागाजी क्षेत्र में बेजुबान जीवों का उपचार करने जाते है, एवं उपचार में आने वाली दवा एवं अन्य खर्चे स्वयं वहन करते है। इसके अलावा कोरोना काल में जहाँ लोग अपना एवं अपनों का जीवन बचाने लगे हुए थे उस समय भारद्वाज डॉ. गौरीशंकर शर्मा, मोहित शर्मा एवं दिव्या शर्मा बेजुबान घायल पशु- पक्षियों का जीवन बचाने में जुटे हुए थे। कारोना काल में हजारों पशु-पक्षियों की जान बचाई। इन्होंने गत वर्ष गायों में फैली लम्पी स्कीन बीमारी के दौरान 1500 से अधिक गायों की जान बचाई। खास बात है यह कि इनके बैग में मे हमेशा निप्पल सहित दो बोतल रहती है। बेजुबान पशुओं के बच्चे बोतल दिखते ही वे दौड़े चले आते है। जब ये बच्चे बड़े हो जाते है तब इन्हें जंगल मे छोड़ दिया जाता है। इनका बेजुबान पशुओं के प्रति प्रेम हम सबको प्रेरणा देता है। इसके अलावा मोहित शर्मा एवं दिव्या शर्मा हर वर्ष गर्मी की छुट्टियों में पावटा एवं शाहपुरा क्षेत्र में पक्षियों के लिए दाने एवं पानी के लिए परिण्डे बांधते है एवं वर्षा ऋतु में वृक्षारोपण करते है। क्षेत्र में चर्म रोग से पीड़ित 188 लंगूरो का भारद्वाज ने लगातार उपचार कर सभी लंगूरों को ठीक किया जो वन्यजीव संरक्षण का अनूठा उदाहरण है। जो पशु बीमार या घायल अवस्था में चारा-पानी नही खा पाता है उसे भारद्वाज स्वयं अपने हाथ से खाना खिलाते है। भारद्वाज ने बताया कि पशु-चिकित्सक और घायल पशु का मॉ-बेटा का जैसा सम्बंध होता है। जब भारद्वाज घायल पशु को अपने हाथों से खाना खिलाता है तो उसे मॉ की सेवा की अनुभूति मिलती है। इनकी सेवा हम सब को प्रेरणा देती है।

बचपन में अपने हिस्से का दूध भी कुत्ते के बच्चो को पिला दिया करते थे

भारद्वाज जब छोटे थे तब से उन्हे जानवरों के बच्चों से बहुत लगाव था रोजाना जब इनको घरवाले दूध का गिलास देते तो ये अपना दूध कुत्ते के छोटे बच्चों को पिला देते थे तब से ही इनका जीवों के प्रति लगाव है। जब छोटे थे तो एक कुत्ते का पैर टूट गया था तो इन्होंने बांस की चरपट बांध दी उससे उसका पैर जुड गया था तब से ही जीव सेवा के प्रति मन में लगन और प्रेरणा मिली और आज इन्होंने 7545 पशुओं के टूटे पैर जोड़कर उन्हें चलने योग्य बनाया है। इन सभी कार्यो में प्रेरणास्रोत इनके पिता वैद्य हनुमान प्रसाद मिश्रा रहे है, जो सत्ताइसा क्षेत्र आयुर्वेद पद्धति के द्वारा लोगों का नि:शुल्क उपचार करते थे। आज वैद्य मिश्रा इस दुनिया में नही परन्तु, उनके पुत्र गोविन्द उन्हीं की प्रेरणा से सत्ताइसा क्षेत्र ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण क्षेत्र में बेजुबान जीवों का उपचार कर रहे है।

राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की लिस्ट

बीजेपी ने अपने मजबूत गढ़ गुजरात से 4 उम्मीदवारों की घोषणा की है

सतीश पूनिया और तरुण चुघ को टिकट, जानें किस राज्य से कौन उम्मीदवार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा चुनावों और उपचुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की ओर से जारी इस सूची में कई राज्यों के बड़े चेहरों और जमीनी स्तर के संगठनात्मक नेताओं को तरजीह दी गई है। पार्टी ने राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को मध्य प्रदेश से और प्रमुख पाटीदार नेता देबाशीष सामंतराय को ओडिशा उपचुनाव के लिए मैदान में उतारा है। भाजपा आलाकमान ने इस बार राज्यों के राजनीतिक और सांगठनिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों का चयन किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को मध्य प्रदेश कोटे से राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया गया है। चुघ पार्टी के एक प्रमुख रणनीतिकार हैं और कई राज्यों के प्रभारी के रूप में काम कर चुके हैं। फिलहाल वह प्रभारी जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना, लद्दाख हैं। उनके साथ ही मध्य प्रदेश से राज्य इकाई के वरिष्ठ नेता और प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल को भी उम्मीदवार बनाया गया है। राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और हरियाणा बीजेपी प्रभारी डॉ। सतीश पूनिया को राजस्थान से राज्यसभा का टिकट दिया गया है। पूनिया की

जमीनी पकड़ को देखते हुए यह एक बड़ा फैसला माना जा रहा है। राजस्थान से उनके साथ (डॉ।) अलका गुर्जर को भी प्रत्याशी बनाया गया है।

गुजरात में चौकाने वाले नाम

बीजेपी ने अपने मजबूत गढ़ गुजरात से 4 उम्मीदवारों की घोषणा की है, जिनमें राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जीतेन्द्र मेघजीभाई कंजारिया शामिल हैं। इन नामों के जरिए पार्टी ने सौराष्ट्र, मध्य और दक्षिण गुजरात के आदिवासी व क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की कोशिश की है। राजू शुक्ला मेहसाणा के रहने वाले पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता और ब्राह्मण चेहरा हैं। सुरेन्द्रनगर के जिला प्रभारी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हैं। मेहसाणा जिला महामंत्री रह चुके हैं। कडी नगरपालिका के प्रमुख रह चुके हैं। मानसिंह परमार पार्टी का युवा चेहरा हैं, सोमनाथ जिले से आते हैं। ओबीसी मोर्चा प्रमुख और पूर्व विधायक गोविंद परमार के भतीजे हैं। इसके अलावा, पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष भी रह चुके हैं। जितेंद्र कंजारिया खंभालिया के पूर्व विधायक मेघजी कंजारिया के बेटे हैं और ओबीसी समुदाय से आते हैं। मुकेश राठवा भाजपा युवा मोर्चा का कार्यकर्ता रहे हैं। छोटा उदेपुर जिला महामंत्री हैं। ऋस्स के साथ जुड़ाव रखते हैं और आदिवासी समुदाय पर पकड़ रखते हैं। अरुणाचल प्रदेश से वरिष्ठ नेता ताई तगाक को मौका दिया गया है। वहीं, मणिपुर में जारी राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों के बीच भाजपा ने मणिपुर की प्रदेश अध्यक्ष ए। शारदा देवी को राज्यसभा उम्मीदवार बनाकर एक बड़ा संदेश देने का प्रयास किया है।

ओडिशा से देबाशीष सामंतराय को टिकट

द्विवार्षिक चुनावों के साथ-साथ भाजपा ने ओडिशा में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए भी अपने उम्मीदवार की घोषणा की है। पार्टी ने यहां से देबाशीष सामंतराय को अपना आधिकारिक प्रत्याशी बनाया है। देबाशीष सामंतराय ओडिशा की राजनीति का एक जाना-माना नाम हैं और उनके चयन से राज्य में भाजपा की स्थिति को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

संभल दंगे- मारे गए शख्स के परिवार को जमीन दी:1978 में हत्या करके कुएं में लाश फेंक दी थी, मंत्री बोले- संभल आज आजाद हुआ

संभल। संभल के 1978 के दंगा पीड़ित परिवारों को खाली कराई गई कब्रिस्तान की 3 बीघा जमीन पर बसाया जा रहा है। गुरुवार को दंगा पीड़ित रामशरण रस्तोगी के परिवार को 100 वर्ग मीटर जमीन का पट्टा दिया गया। मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा-संभल में 48 साल पहले जिनके आशियाने जलाए गए, आज उनके आंसू पोंछने आया हूं। न जाने कितनी पीढ़ियां इंतजार करते-करते गुज़र गईं। भारत 1947 में आजाद हुआ था। लेकिन सही मायने में संभल आज के दिन आज़ाद हुआ है। मुरादाबाद मंडल कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि दंगा पीड़ितों को बसाने की प्रक्रिया आज से शुरू हुई है। जितने भी लोग पलायन कर गए थे, उन सभी से हम रिक्वेस्ट कर रहे हैं कि वो अपने प्रमाणों के साथ जिला प्रशासन से संपर्क करें। हम सभी को जमीन देंगे। इसके पहले प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने रामशरण रस्तोगी की बहू रुक्मिनी को पट्टे की जमीन का प्रमाण-पत्र दिया। मंत्री ने रुक्मिनी और उनके बेटे कपिल के साथ जमीन का भूमि-पूजन भी किया। कब्रिस्तान से खाली कराई गई जमीन कोतवाली क्षेत्र के शेर खां सराय गांव में टीले वाली मस्जिद के पास है। दंगा पीड़ित रामशरण के बेटे कपिल को प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने जमीन के पट्टे का प्रमाण पत्र दिया। दंगा पीड़ित रामशरण के बेटे कपिल को प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने जमीन के पट्टे का प्रमाण पत्र दिया।

सीएम योगी ने दंगा पीड़ितों को बसाने का दिया था निर्देश

7 अप्रैल को मथुरा में सीएम योगी ने कहा था कि संभल में 1978 में हुए दंगों में सैकड़ों हिंदुओं को मारा गया। डर के मारे लोग दिल्ली समेत अन्य शहरों में पलायन कर गए। पीड़ित परिवार अपनी जमीन के कागज लेकर आएं तो उन्हें उनकी जमीन वापस दिलाई जाएगी।

नशे के खिलाफ राजसमंद पुलिस का मास्टरस्ट्रोक, शॉर्ट फिल्म शिकंजा का हुआ भव्य मुहूर्त

● अतुल्य संसार नेटवर्क

राजसमंद। युवा पीढ़ी को नशे की दलदल से बाहर निकालने और समाज को इस गंभीर खतरे के प्रति आगाह करने के लिए राजसमंद पुलिस ने एक अनूठी और बड़ी मुहिम की शुरुआत की है। आज के समय में नशा न केवल अपराधों का ग्राफ बढ़ा रहा है, बल्कि हंसते-खेलते परिवारों को भी तबाह कर रहा है। इसी गंभीर समस्या को जड़ से मिटाने के लिए राजसमंद पुलिस और जाह्नवी कला परिषद के संयुक्त तत्वाधान में एक शॉर्ट फिल्म शिकंजा बनाई जा रही है, जिसका आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में समारोह पूर्वक भव्य मुहूर्त संपन्न हुआ।

कलक्टर और एसपी ने फर्स्ट टेक के साथ किया फिल्म का श्रीगणेश

फिल्म का विधिवत मुहूर्त राजसमंद जिला कलक्टर

अरुण कुमार हसीजा और पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल द्वारा विशेष पूजा-अर्चना के बाद फर्स्ट टेक देकर किया गया। **एक अनूठी पहल:** मुहूर्त के इस खास मौके पर केवल फिल्म की शुरुआत ही नहीं हुई, बल्कि उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों, अतिथियों और फिल्म की टीम को नशे से दूर रहने और इसके खिलाफ समाज को जागरूक करने की एक गंभीर शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर पुलिस विभाग के आला अधिकारी, फिल्म के निर्देशक मनोज पोरवाड़ और उनकी पूरी टीम मौजूद रही।

फिल्म शिकंजा का मुख्य उद्देश्य

दुष्प्रभावों से रूबरू कराना- इस शॉर्ट फिल्म का मुख्य ध्येय युवा पीढ़ी और नशे की लत में फंस चुके लोगों को इसके घातक और जानलेवा परिणामों से वाकिफ कराना है।

मुख्यधारा में वापसी: जो युवा रास्ता भटक चुके हैं, उन्हें मोटिवेट कर वापस समाज की मुख्यधारा में लाना।

अपराध पर लगाम: नशे के कारण समाज में बढ़ रहे अपराधों पर अंकुश लगाना। **स्कूल, कॉलेज और सोशल मीडिया पर होगी स्पेशल स्क्रीनिंग:** इस फिल्म का मैसेज हर घर और हर युवा तक पहुंचे, इसके लिए राजसमंद पुलिस ने एक मजबूत प्लानिंग तैयार की है-

शैक्षणिक संस्थानों पर फोकस: यह फिल्म जिले के सभी सरकारी व निजी स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को विशेष रूप से दिखाई जाएगी ताकि वे शुरुआत से ही इसके प्रति सचेत रहें।

सोशल मीडिया विंग का उपयोग: आम जनता तक व्यापक पहुंच बनाने के लिए फिल्म को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी रिलीज किया जाएगा।

ब्यूरो रिपोर्ट: राजसमंद पुलिस की यह कलात्मक और सामाजिक पहल वाकई सराहनीय है। उम्मीद है कि फिल्म शिकंजा युवाओं को नशे के जाल में फंसने से रोकने में एक मजबूत ढाल साबित होगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।